SUBJECT: GEOGRAPHY

TOPIC :- PHYSIOGRAPHY OF ASIA

CLASS: B.A. Part I[st], PAPER: 2[nd], UNIT: I[st].

BY :— Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geo., D. B. College, Jaynagar, L.N.M.U., Darbhanga.

LECTURE No. - **20.** (Email- sanjaykumar.phd@gmail.com)

धरातलीय उच्चावच एवं भौतिक विशेषताओं के आधार पर एशिया महाद्वीप को निम्नलिखित भागों में विभक्त किया गया है —

1) उत्तर का निचला मैदान (North Lowlands) -

उत्तर का निचला मैदान एशिया महाद्वीप के लगभग 20 % भाग में सोवियत संघ के साइबेरिया तथा तूरानी निम्न भूमि में विस्तृत है। इस मैदान के उत्तर में उत्तरी ध्रुव महासागर, दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व में एशिया की मध्यवर्ती वलित पर्वतमालाएं तथा पश्चिम में यूराल पर्वत एवं कैस्पियन सागर की उपस्थिति मिलती है। उत्तर का यह निचला मैदान वास्तव में एक मैदानी भाग नहीं है अपितु इसका अधिकांश भाग एक कटा- फटा निचला पठारी भाग है जो मैदान के रूप में परिवर्तित हो गया है। इस विशाल मैदान को दो विभागों में विभक्त किया जाता है।

(i) साइबेरिया का मैदान
(ii) तूरानियन निम्न भूमि

साइबेरिया का मैदान -

→ उत्तर के निचले मैदान के दक्षिण-पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष मैदानी भाग साइबेरिया के मैदान के रूप में जाना जाता है।

→ इस मैदान का सामान्य ढाल दक्षिण से उत्तर की ओर है।

→ ओबे, यनीसी तथा लीना इस मैदान में दक्षिण से उत्तर की ओर बहने वाली प्रमुख नदियाँ हैं जो आर्कटिक सागर में गिरता है।

→ साइबेरिया मैदान की औसत ऊँचाई 180 मीटर है।

Scanned with CamScanner

➜ तुरानियन निम्न भूमि –

→ उत्तर के निचले मैदान का दक्षिण - पश्चिमी भाग तुरानियन निम्न भूमि या तुर्किस्तान के मैदान के रूप में जाना जाता है।

→ तुरानियन निम्न भूमि में अरल सागर तथा कैस्पियन सागर के मध्य में उस्त - उर्त (Ust-urt) का पठार है जिसकी औसत ऊंचाई 165 मीटर है।

2) मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्रम –

एशिया महाद्वीप में मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी भाग का विस्तार महाद्वीप के उत्तरी - पूर्वी कोने से लेकर महाद्वीप के पश्चिमी कोने तक हुआ है। यह भौतिक प्रदेश एशिया के लगभग 78 लाख वर्ग K.m. क्षेत्रफल में फैला हुआ है जो एशिया महाद्वीप के कुल क्षेत्रफल का लगभग 17 प्रतिशत भाग है।

एशिया महाद्वीप के इस मध्यवर्ती क्रम के पठारों तथा पर्वतों की ऊंचाई 700 मीटर से 8848 मीटर के मध्य मिलती है। इस पर्वतीय पठारी क्रम का केन्द्र पामीर की गाँठ है। पामीर की गाँठ इस मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्रम को निम्नलिखित दो भागों में विभक्त करती है –

(i) पामीर की गाँठ से पश्चिम की ओर का पर्वतीय क्रम.

(ii) पामीर की गाँठ से पूर्व की ओर का पर्वतीय क्रम

➜ पामीर की गाँठ से पश्चिम की ओर का पर्वतीय क्रम –

यह पर्वतीय क्रम पामीर की गाँठ से पश्चिम की ओर तुर्की तक विस्तृत है। पामीर की गाँठ से पश्चिम की ओर भिन्न-भिन्न पर्वत श्रृंखलाएं हैं –

→ हिन्दुकुश - एलबुर्ज - आरमीनिया की गाँठ - पोन्टस पर्वत श्रेणियां।

→ सुलेमान - किरथर - जैग्रोस - आरमीनिया की गाँठ - टारस पर्वत श्रेणियाँ।

Scanned with CamScanner

पामीर की गाँठ से पूर्व की ओर का पर्वतीय क्रम

पामीर की गाँठ से पूर्व की ओर निम्न चार पर्वतीय क्रम निकलते है –

→ पामीर की गाँठ से दक्षिण-पूर्व की ओर एक प्रमुख पर्वतीय क्रम है जिसे हिमालय पर्वत श्रेणी के नाम से जाना जाता है।

→ पामीर की गाँठ से दूसरा पर्वतीय क्रम पूर्व की ओर कुनलुनशान पर्वत श्रेणी के रूप मे मिलता है जो आगे दो भागों में विभक्त हो जाती है। उत्तर की शाखा अलताई ताग - नानशान - खिंगन पर्वतों के रूप में चीन के उत्तरी - पूर्वी तक विस्तृत है जबकि दक्षिण की शाखा बयानकारा - तिनालिगशान पर्वत श्रेणियों के रूप में मध्यवर्ती चीन तक विस्तृत है।

→ कुनलुशान श्रेणी के दक्षिण में पामीर की गाँठ से एक छोटी शाखा दक्षिण-पूर्व की ओर निकलती हैं।

→ पामीर की गाँठ से निकलने वाला चौथा पर्वत क्रम उत्तर-पूर्व की ओर तियानशान पर्वत श्रेणी के रूप में प्रारम्भ होता है।

पामीर की गाँठ से पूर्व की ओर अन्तपर्वतीय पठार

एशिया महाद्वीप में पामीर की गाँठ से पूर्व की ओर निम्नलिखित अन्तपर्वतीय पठारों की उपस्थिति मिलती है –

(i) तिब्बत का पठार → कुनलुनशान तथा हिमालय पर्वत श्रेणियों के मध्य तिब्बत का पठार स्थित है जिसकी औसत ऊँचाई 3600 मीटर है।

(ii) सिक्यांग का पठार या तारिम बेसिन → तियानशान पर्वत श्रेणी तथा कुनलुनशान पर्वत श्रेणी के मध्य एक पठारी भाग मिलता है।

(iii) जुंगेरियन बेसिन या पठार → तियानशान पर्वत श्रेणी तथा अल्टाई पर्वत श्रेणी के मध्य एक निचला पठारी भाग स्थित है।

(iv) त्साइदाम बेसिन → नानशान तथा बयानकारा पर्वतश्रेणियों के मध्य

(v) गोबी का पठार → जुंगेरियन बेसिन के पूर्व में महान खिंगन तथा अल्टाई पर्वतश्रेणियों के मध्य 1000 से 1500 मीटर ऊँचाई का गोबी का पठार स्थित है।

नोट:– एशिया के नदियों के मैदान, दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार तथा द्वीप समूह की व्याख्या Lecture no.- 21 में देखें।

Scanned with CamScanner